_____ उदय शंकर प्रसाद
[पूर्व सहायक प्रोफेसर (फ्रेंच विभाग), तमिलनाडु]

**“ फर्ज ”**

खुद के लवना के तरह हम रोज जलावतानी
कर्ज मे डूब के भी सबके कर्ज चुकावतानी
आपन खुद के कंधा पे, अइसन बोझ धराईल
तिनका तिनका जोड़ के, बाप के फर्ज निभावतानी

एगो देह कइगो रिश्ता, सब ला हाथ बढ़ावतानी
पति पिता भाई बेटा, सब रूप मे आगे आवतानी
मेहनत मजदूरी करके हम, सबके सब पुरावतानी
तिनका तिनका जोड़ के हम आपन फर्ज निभावतानी

ताना बाना सुनत बुनत, दिल के आग जियावतानी
मन पे पथर राख के, खुद से खुद के समझावतानी
आपन पेट भरे ना भरे, सबके पेट भरत भरावतानी
तिनका तिनका जोड़ के हम, आपन फर्ज निभावतानी

___000___

www.bhojpurisahityangan.com